रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर

नवाचारों को अपनाने पर जोर दें शिक्षक –कुलपति प्रो. मिश्र
यूजीसी मानव संसाधन केन्द्र में दो विषयों पर रिफ्रेशर कोर्सेस का वर्चुअल शुभारंभ

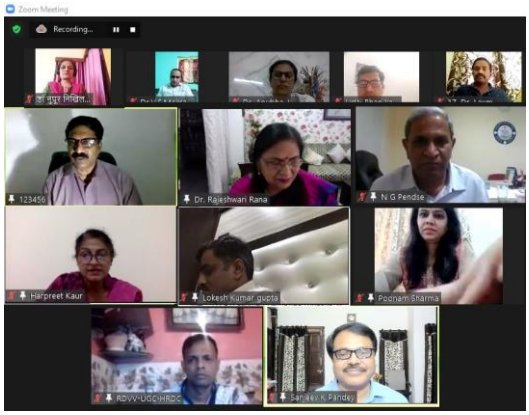

जबलपुर 15 मार्च। शिक्षकों को नवाचार को अपनाने पर जोर देना चाहिए क्योंकि आने वाले समय में इसी की आवश्यकता है। समय के अनुसार शिक्षा के तरीकों और पाठ्यक्रमों में परिवर्तन आवश्यक होते हैं। इसी को देखते हुए भारत सरकार ने शिक्षा नीति में बदलाव करते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति मंजूरी दी है। बदलते विश्व और वैश्वीकरण के साथ कदम से कदम मिला के चलने के लिए ऐसे परिवर्तनों और सुधारों की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी। शिक्षा नीति देश और समाज का आने वाला कल कैसा होगा ये निर्धारित करने में अहम् भूमिका निभाती है। यह नीति स्कूली शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक के सभी प्रकार के सुधारों पर ध्यान आकर्षित करती है। उपरोक्त उद्गार माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने सोमवार को रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के यूजीसी मानव संसाधन केंद्र के तत्वाधान में 2 रिफ्रेशर कोर्सेस के वर्चुअल उद्घाटन अवसर पर कार्यक्रम अध्यक्ष के रूप में व्यक्त किए।

रादुविवि के यूजीसी–एचआरडीसी में 15 मार्च से संज्ञानात्मक अर्थशास्त्र और पॉलिसिज (वाणिज्य, अर्थशास्त्र और प्रबंधन के लिए) विषय पर रिफ्रेशर कोर्स एवं भाषा, साहित्य और सांस्कृतिक अध्ययन (हिन्दी और संस्कृत) विषय पर रिफ्रेशर कोर्स का शुभारंभ हुआ। प्रारंभ में विशिष्ट भाषण प्रस्तुत करते हुए परीक्षा नियंत्रक प्रो. एन.जी. पेण्डसे ने विषयांतर्गत जानकारी प्रदान करते हुए बताया कि संज्ञानात्मक अर्थशास्त्र वह है जो लोगों के दिमाग में है। यह मूल रूप से व्यवहार अर्थशास्त्र की एक शाखा है। व्यवहारिक अर्थशास्त्र उन सभी चीजों का अध्ययन करने का एक बहुत व्यापक क्षेत्र है जो पारंपरिक आर्थिक सिद्धांत के अनुसार नहीं होने चाहिए। रिफ्रेसर कोर्स समन्वयक कोर्स डॉ. हरप्रीत कौर, नई दिल्ली कोर्स की उपयोगिता की जानकारी दी। कोर्स सह समन्वयक डॉ. लोकेश कुमार गुप्ता ने रिफ्रेशर कोर्स की आवश्यकता को बिन्दुवार स्पष्ट किया। संचालन एवं आभार प्रदर्शन प्रो. राजेश्वरी राणा उप निदेशक यूजीसी–एचआरडीसी, जबलपुर द्वारा किया गया। रादुविवि मानव संसाधन केन्द्र के डॉ. संजीव पाण्डेय ने बताया कि रिफ्रेशर कोर्स उद्घाटन कार्यक्रम में वाणिज्य, अर्थशास्त्र और प्रबंधन के देश के विविध राज्यों से 40 एवं हिन्दी और संस्कृत के 45 प्रतिभागी ऑनलाईन शामिल हुए।

संज्ञानात्मक अर्थशास्त्र वह है जो लोगों के दिमाग में है। यह मूल रूप से व्यवहार अर्थशास्त्र की एक शाखा है। व्यवहारिक अर्थशास्त्र उन सभी चीजों का अध्ययन करने का एक बहुत व्यापक क्षेत्र है जो पारंपरिक आर्थिक सिद्धांत के अनुसार नहीं होने चाहिए। अर्थशास्त्रियों को यह पहचानने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है कि कोई व्यक्ति कुछ अजीब कर रहा है – उनका व्यवहार उलझा हुआ लगता है, वे स्थिति को काफी नहीं समझते हैं। अर्थशास्त्री का लक्ष्य लोगों की प्रेरणाओं के बारे में बात करना है, जिसे वे पूरा करने की कोशिश कर रहे हैंय उनकी प्राथमिकताएं।

ऐतिहासिक रूप से, एक व्यवहारिक अर्थशास्त्री ने पहली बार उन चीजों का दस्तावेजीकरण करने की कोशिश की थी जब लोग अपने कार्यों को मानक आर्थिक सिद्धांत के दृष्टिकोण से अजीब लगते हैं। मेरा तरीका, एक संज्ञानात्मक अर्थशास्त्री के रूप में, कारणों को देखना है क्यूं कर उनकी ये प्राथमिकताएँ हैं। स्पष्टीकरण की पहली श्रेणी यह है कि मानक अर्थशास्त्र ठीक है, लेकिन कुछ गहरा हो सकता है जो आपने अभी देखा नहीं है, भले ही आप जो कर रहे हैं वह मानक आर्थिक सिद्धांत के अनुसार सही समझ में आता है। किसी भी वैज्ञानिक अनुशासन की तरह, अर्थशास्त्र का एक काम यह समझना है कि दुनिया कैसे काम करती है। यह समझने की कोशिश करना कि लोग क्या करते हैं, समाज कैसे एक साथ फिट बैठता है, और यह कैसे नीतिगत दृष्टिकोण में फिट बैठता है – लोगों को जो वे चाहते हैं उसे पाने में मदद करने के लिए अर्थशास्त्र ने काम लिया है। और हम डेटा का उपयोग वास्तव में एक अच्छा विचार प्राप्त करने के लिए कर सकते हैं कि क्या है। उदाहरण के लिए, एक लक्ष्य सार्वजनिक नीति को प्रभावित करने के लिए इस डेटा का उपयोग करना होगा ताकि लोग समझ सकें कि उनके सामाजिक सुरक्षा लाभों का दावा कब करना है।

9वां निःशुल्क वृहद रोजगार मेला 17 एवं 18 मार्च को

विश्वविद्यालय के कैरियर गाइडेंस, काउंसलिंग, ट्रेनिंग व प्लेसमेंट सेल द्वारा दो दिवसीय '**9वें निःशुल्क वृहद रोजगार मेला'** का आयोजन दिनांक 17 एवं 18 मार्च, 2021 को 'विज्ञान भवन' में किया जायेगा।

प्री–प्लेसमेंट ट्रेनिंग आज 16 मार्च को

आज दिनांक 16 मार्च, 2021 को प्री प्लेसमेंट ट्रेनिंग का आयोजन ऑनलाइन के माध्यम से किया जायेगा। उक्त जानकारी कार्यक्रम समन्वयक प्रो. सुरेन्द्र सिंह ने देते हुए बताया कि छात्र–छात्राएं अपना पंजीयन ऑनलाइन कर सकते हैं अथवा कौशल विकास संस्थान में स्वयं आकर पंजीयन हेतु डॉ. अजय मिश्रा एवं डॉ. मीनल दुबे से संपर्क कर सकते हैं। साथ ही इस रोजगार मेला में इच्छुक कम्पनियां भी आमंत्रित हैं।

रादुविवि जनसम्पर्क प्रकोष्ठ/क्रमांक/995/15.03.2021